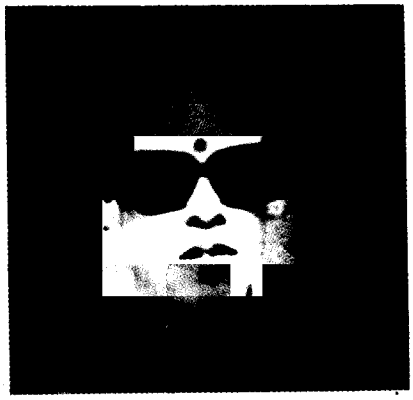

एम.एस. बालसुब्रह्मण्य शर्मा

अकादेमी पुरस्कार : कर्नाटक संगीत (गायन)

1929 में राजामून्दरी, आँध्र प्रदेश में जन्मे श्री ममिल्लापल्ली सूर्य बालसुब्रह्मण्य शर्मा ने कर्नाटक गायन की दीक्षा प्रख्यात संगीतज्ञ श्री जी. पायड़ीस्वामी से प्राप्त की, जो द्वारम वैंकटास्वामी नायडू की संगीत परम्परा के प्रति समर्पित भाव के कारण सुपरिचित थे।

श्री एम.एस. बालसुब्रह्मण्य शर्मा ने संगीत समारोहों में वॉयलिन वादक के रूप में सफल जीवन वृत्ति का प्रीतिकर अनुभव किया और कर्नाटक संगीत के प्रशिक्षक के रूप में अपनी पहचान बनाई। आप अपनी विशुद्ध पारम्परिक शैली के कारण विवेकशील श्रोता समुदाय में बहुप्रशंसित हैं।

श्री ममिल्लापल्ली सूर्य बालसुबह्मण्य शर्मा को कर्नाटक गायन में योगदान के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

M.S. BALASUBRAHMANYA SARMA

Akademi Award: Carnatic Vocal Music

Born in 1929 in Rajahmundry, Andhra Pradesh, Shri Mamillapalli Surya Balasubrahmanya Sarma received his training in Carnatic vocal music under the eminent musician G. Pydiswami, who belonged to the musical tradition of Dwaram Venkataswami Naidu.

Shri M.S. Balasubrahmanya Sarma has enjoyed a successful career as a vocalist and has distinguished himself as a teacher of Carnatic music. He is known for his chaste, traditional style, which has won him a following among discerning listeners.

Shri M.S. Balasubrahmanya Sarma receives the Sangeet Natak Akademi Award for his contribution to Carnatic vocal music.